Roll No. ..... Total Pages : 6

2602

Second Year Arts Examination, 2016

RAJASTHANI SAHITYA

Paper–II

(पद्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART–A [Marks : 20]

(खण्ड-अ)

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–B [Marks : 50]

(खण्ड-ब)

Answer *five* questions (250 words each). Select *one* question from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–C [Marks : 30]

(खण्ड-स)

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(इकाई–I)

(i) 'हंसतोड़ा होठां रो सांच' संग्रह में संकलित कविताओं का मूल प्रतिपाद्य क्या है?

(ii) 'कोरो सवाल' का सवाल 'कोरा' क्यों है?

(इकाई–II)

(iii) 'ज्ञान अगाड़ी आन कै, प्रेम पिछाड़ी सांध' पंक्ति में कौन-सा भाव प्रकट हो रहा है?

(iv) 'हरि से यारी ना करी, धिक् हरियारी माय' उक्ति का क्या अर्थ है?

(इकाई–III)

(v) 'नागदमण' किस भाषा की रचना है?

(vi) कृष्ण के जीवन की किस घटना को आधार बना कर 'नागदमण' का सृजन हुआ है?

(इकाई–IV)

(vii) 'चतुर चिन्तामणि' के लेखक का जन्मस्थान बताइए।

(viii) 'नागदमण' में किसने किस नाग का दमन किया?

(इकाई–V)

(ix) **दो** तद्भव शब्दों के तत्सम रूप लिखिए।

(x) 'वयण सगाई' में 'वयण' का अर्थ बताइए।

खण्ड-ब

(इकाई–I)

2. अपनी कविताओं से कवि आईदान सिंह भाटी किन आधुनिक विषयों को प्रकट करते हैं? उचित उदाहरणों से अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

3. 'हंसतोड़ा होठां रो सांच' संग्रह में संकलित कविताओं में से कौन-सी आपको अच्छी लगी और क्यों?

(इकाई–II)

4. ''चतुर चिन्तामणि' नीति दोहों का श्रेष्ठ संकलन है'' कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

5. भाव-सौन्दर्य की दृष्टि से 'चतुर चिन्तामणि' पर टिप्पणी लिखिए।

(इकाई–III)

6. राजस्थानी खण्डकाव्य परम्परा में 'नागदमण' का युक्तियुक्त स्थान निर्धारित कीजिए।

7. 'नागदमण' के आलोक में झूलां सांयाजी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर विचार व्यक्त कीजिए।

(इकाई–IV)

8. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

इण दूखती रग माथै
थांरो खुद रो हाथ
पड़ूतर परतख सीधौ
राईके री डांग ज्यूं।
बगत रै इण मोड़ माथे
थारी अर म्हारी दोस्ती
कींकर निमैला म्हांरा साथ?

9. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

महारै मै'कता फूलां रा मुखड़ा
नीचा व्हैग्या
नाठगी अन्तै री सुवास।
म्है ऊमौ अलझायां संसार
म्हारी आंख्या सांमी
नाच रैया है लोग
नाचण रा न्यारा-न्यारा न्याव।

(इकाई–V)

10. निम्नांश की संसदर्भ व्याख्या कीजिए :

जदुनाथ काळी समी बाथ जोड़ै
घंणी मोम चाली चढ़ी बात घोड़े।
ऊमा गाय गोवाळ झूरंत आरै
हाहाकार हक्कार संसार सारै।।

11. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

अमरापुर रा है अली, दो रा दो दसतूर।
आपां बलां न अगन में, समरां कटै न सूर।।
जीणी जगां पीतम मलै, कस्यां कंसर्यां चीर।
सजनी वो है सासरौ, कै वो वाजे पीर।।

खण्ड–स
(इकाई–I)

12. 'हंसतोड़ा होठां रो सांच' संग्रह की कविताओं की सामयिक प्रासंगिकता पर उचित उदाहरण देते हुए विचार व्यक्त कीजिए।

(इकाई–II)

13. ''ज्ञान, भक्ति और वैराग्य, नीति के बिना श्रीहीन हैं।'' चतुर चिन्तामणि के आलोक में कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

(इकाई–III)

14. नागदमण के कथास्रोत की प्रामाणिकता को अन्य पौराणिक ग्रन्थों के आधार पर सिद्ध कीजिए।

(इकाई–IV)

15. (क) तत्सम से तद्भव शब्द बनाने की प्रक्रिया स्पष्ट करते हुए कोई **पाँच** उदाहरण दीजिए।

(ख) 'वयण सगाई' पर टिप्पणी लिखिए।